



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 539]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 17, 1990/अग्रहायण 26, 1912

No. 539] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 17, 1990/AGRAHAYANA 26, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)	(1)	(2)	(3)	(4)
प्रतिमुक्तताएं	4	8421.00	जब फिल्टर जिसकी कुछ नहीं। प्रारिता 10 नीटन से अधिक सही है	
नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1990				
सं. 162/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क				

सा.का.नि. 963 (अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क
और नक्का अधिनियम, 1914 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो
जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त
मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 155/86-केन्द्रीय उत्पाद-
शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1986 का निम्नलिखित और संशोधन करना है,
अर्थात् :—

उक्त अधिनियम में उपाखंड मारणी में, कम सं. 4 और उसमें संबंधित
प्रतिष्ठियों के स्थान पर निम्नलिखित शब्दों और प्रविष्टियों रखी
जाएगी, अर्थात् :—

[का. सं. 354/60/90-टी प्रारम्भ]
श्री. के. महाश्वर, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 17th December, 1990

No. 162/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 963(E).—In exercise of the powers conferred by
sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt
Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satis-
fied that it is necessary in the public interest so to do, hereby

makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 155/86-Central Excises, dated the 1st March, 1986, namely :—

In the Table annexed to the said notification, for the S. No. 4 and entries relating thereto, the following S. No. and entries shall be substituted :—

1	2	3	4
4.	84 1.00	Water filler of capacity not exceeding 40 litres.	Nil.

[F. No. 354/60/90-TRU]

R. K. MAHAJAN, Under Secy.

सं. 163/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

मा.का.नि. 964(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 51/90, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 मार्च, 1990 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) आरंभिक पैरा में “एक मात्र रूप से” एक मात्र रूप से शब्दों का लोप किया जाएगा;

(ख) पहले परन्तु के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि जहां ऐसा उपयोग विनिर्माता कारखाने से भिन्न किसी कारखाने में है तो इस अधिसूचना में अन्तर्निष्ठ छूट तभी उपलब्ध होगी यदि केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय X में अधि-रक्षित प्रक्रिया का पालन किया जाए।”

[फा. सं. 357/18/90-टीआरयू]

वि. वि. हरिहरन, अवसर सचिव

NO. 163/90-CENTRAL EXCISES

G.R. 964(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 51/90-Central Excises, dated the 20th March, 1990, namely :—

In the said notification,—

(a) in the opening paragraph, the word “captively” shall be omitted;

(b) after the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that where such use is in a factory other than the factory of manufacture, the exemption contained in this notification shall be available only if the procedure laid down in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944 is followed.”

[F. No. 357/18/90-TRU]

V. V. HARIHARAN, Under Secy.

सं. 164/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

मा.का.नि. 965(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह संपाधान हो जाने पर कि लोकाहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 41 के शनर्गत आने वाली रेजिन बंधित बांस का चटाइयों को, जिनमें वेनियर योजक के रूप में है, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए, “रेजिन बंधित बांस की चटाइयां जिनमें वेनियर योजक के रूप में हैं” पद से ऐसी चटाइयां अभिप्रेत हैं जो हस्तव्यति बांस की चटाइयों के जिनमें वेनियर योजक के रूप में हैं, दो या अधिक प्लाइ के संपीड़न द्वारा रेजिन की सहायता से बनाई जाती हैं।

[फा. सं. 356/39/90-टीआरयू]

आर. के. महाजन, अवसर सचिव

No. 164/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 965(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts resin bonded bamboo mats having veneers in between falling within Chapter 44 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule.

EXPLANATION.—For the purposes of this notification, the expression “resin bonded bamboo mats having veneers in between” means mats which are made by compressing two or more plies of hand woven bamboo mats having veneers in between, with the aid of resins.

[F. No. 356/39/90-TRU]

R. K. MAHAJAN, Under Secy.